http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 19

प्रयागराज गुरुवार 03 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

खरगे-राहुल-प्रियंका ने किया गांधी, शास्त्री को नमन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर आज नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री गांधी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ सुबह बापू की समाधि स्थल राजघाट गए और उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खरगे ने कहा ष्सत्य, अहिंसा व सत्याग्रह जैसे उच्चतम मूल्य से संपूर्ण विश्व को शांति का मार्ग दिखाने वाले, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार व उनके आदर्श हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी हैं। आज उनके विचारों को जो चुनौती मिल रही है, इसका मुकाबला हम बापू के सिद्धांतों पर चलकर कर रहें हैं। सभी देशवासियों को गांधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।ष श्री गांधी ने कहा ष्बापू ने ही मुझे सिखाया है, जीना है तो डरे बिना जीना है – सत्य, प्रेम, करुणा और सौहार्द के रास्ते पर सबको जोड़ते हुए चलना है। गांधी जी एक व्यक्ति नहीं, जीने और सोचने का तरीका हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।ष श्रीमती वाड्रा ने कहा ष्राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने दुनिया को सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह जैसे अनमोल विचारों के साथ यात्राओं का महत्व समझाया था। वे मानते थे कि अपनी जनता का दुख दर्द समझने के लिए उनके बीच जाना और उन्हें समझना अत्यंत आवश्यक है। कहते हैं कि पूरी जिंदगी में बापू हर दिन औसतन 18 किलोमीटर पैदल चले। इतनी यात्रा में वे दो बार धरती का चक्कर लगा सकते थे।ष उंन्होने कहा ष्गांधी जी हर यात्रा या कहें उनकी संपूर्ण जीवन यात्रा का संदेश था- प्रेम, शांति, सद्भाव, स्वतंत्रता, समानता, स्वावलंबन और स्वाभिमान।

दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान, पीएम बोले...

विकसित की यात्रा को करेगा मजबूत

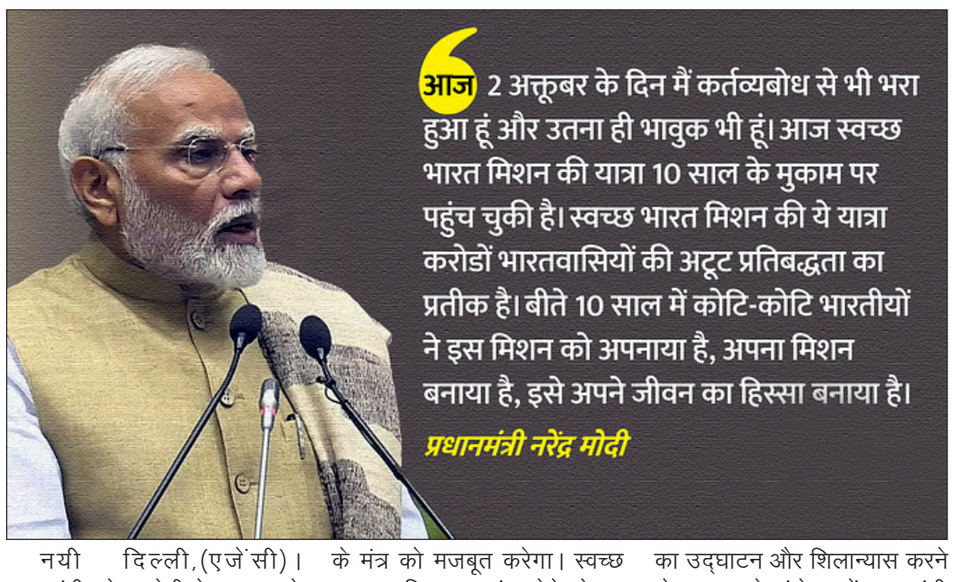

● गंदगी से नफरत हमें स्वच्छता के लिए मजबूर करेगी और मजबूत भी, पीएम मोदी ने दिया मंत्र

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वच्छ भारत अभियान को इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनआंदोलन करार दिया और कहा कि 'विकसित भारतश की यात्रा में हर प्रयास 'स्वच्छता से संपन्नताश के मंत्र को मजबूत करेगा। स्वच्छ भारत अभियान आरंभ होने के 10 साल पूरे होने के अवसर पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वच्छता और सफाई से संबंधित 9,600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करने पर भी जोर दिया। दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान उन्होंने कहा, ''आज से एक हजार साल बाद भी जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनभागीदारी, जन नेतृत्व वाला जन आंदोलन है। इस मिशन ने मुझे ईश्वररूपी जनता-जनार्दन की साक्षात ऊर्जा के भी दर्शन कराए हैं।श उन्होंने कहा, ''विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास श्स्वच्छता से संपन्नताश के मंत्र को मजबूत करेगा।श प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता की प्रतिष्ठा बढ़ने से देश में एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले साफ-सफाई के काम से जुड़े लोगों को किस नजर से देखा जाता था, यह पूरा देश जानता है लेकिन स्वच्छ भारत अभियान ने इस सोच को भी बदल दिया। उन्होंने कहा, ''साफ-सफाई करने वालों को आज जब मान-सम्मान मिला तो उनको भी गर्व हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान लाखों भारतीयों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और पिछले 10 वर्षों में अनगिनत नागरिकों ने इसे अपनाया है और अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा, ''स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता आजीवन प्रतिज्ञा है, न कि एक बार किया गया कोई वादा। हमें स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करना होगा।श उन्होंने कहा, ''गंदगी के प्रति नफरत ही हमे स्वच्छता के लिए मजबूर कर सकती है और मजबूत भी कर सकती है।

सिद्दारमैया के अनुरोध पर 14 भूखंडों का आवंटन रद्द

बेंगलुरु,(एजेंसी)। कर्नाटक में मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) आवंटन घोटाले में बुधवार को आए एक नाटकीय मोड़ में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की पत्नी के अनुरोध पर 14 विवादास्पद भूखंडों का आवंटन आधिकारिक रूप से रद्द कर दिया गया। एक अधिकारी ने आज यहां बताया कि मुडा ने यह आवंटन रद्द कर दिया । मुडा ने यह कदम मुख्यमंत्री की पत्नी बी एम पार्वती द्वारा विवादित भूखंडों को वापस करने के अभूतपूर्व अनुरोध के बाद उठाया है,जिससे मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर भूमि आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों से जुड़े विवाद में नयी जान फूंकी गई है। कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य एवं मुख्यमंत्री के बेटे डॉ. यतीन्द्र सिद्दारमैया ने मंगलवार को अपनी माँ की ओर से मुडा कार्यालय में 14 विवादित भूमि प्लॉट्स को छोड़ने की औपचारिक अर्जी दी।मुडा के आयुक्त रघुनंदन ने बिना कोई समय बर्बाद किए और मूल रूप से श्रीमती सिद्दारमैया को आवंटित भूखंडों के विक्रय पत्र को रद्द कर दिया। इसके साथ, विवादित भूमि अब मुडा के नियंत्रण में वापस आ गई है, हालांकि इस मुद्दे पर राजनीति अभी समाप्त नहीं हुई है। श्री रघुनंदन ने कहा, "कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद हमने श्रीमती सिद्दारमैया के नाम पर आवंटित 14 भूखडों को रद्द कर दिया है और सरकार को इसके बारे में सूचित कर दिया है। भूमि अब फिर से मुडा के कब्जे में हैं और हम अगले कदम को निर्धारित करने के लिए आगे कानूनी सलाह लेंगे।"

सीएम और उनके मंत्रियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अर्पित की पुष्पांजलि, सड़क पर लगाई झाड़ू

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के अन्य मंत्रियों ने बुधवार को महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। ब्ड योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती के अवसर पर श्स्वच्छता अभियानश में भी भाग लिया। ब्ड योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा देश महात्मा गांधी की जयंती मना रहा है, और भारत के स्वतंत्रता संग्राम और मानवता के प्रति उनके योगदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से शुरू हुआ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्सेवा पखवाड़ाश का आह्वान, जिसे विश्वकर्मा दिवस और पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, आज गांधी जयंती पर भी जारी है। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी के स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय और स्वतंत्रता के आदर्श आज भी मान्य हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन महात्मा गांधी के स्वच्छता के दृष्टिकोण को श्रद्धांजलि है। पीएम मोदी इस अभियान में शामिल हो रहे हैं, जिसे उन्होंने 10 साल पहले शुरू किया था। 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालय बनाए गए हैं। महिला सशक्तिकरण के बिना समाज को मजबूत और आत्मनिर्भर नहीं बनाया जा सकता है। महात्मा गांधी के स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय और स्वतंत्रता के आदर्श आज भी मान्य हैं। दुनिया के सभी शक्तिशाली देशों ने मुख्य रूप से आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। इस अवसर पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हनुमान मंदिर में श्स्वच्छता पखवाड़ाश कार्यक्रम में भाग लिया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर मैंने हनुमान मंदिर में श्स्वच्छता अभियानश में भाग लिया। यह अभियान पूरे देश में चलेगा...आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता होनी चाहिए। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय राजधानी के राजघाट पर महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधान मंत्री मोदी ने महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, सत्य, सद्भाव और समानता पर आधारित बापू के जीवन और आदर्शों के स्थायी प्रभाव पर जोर दिया और कहा कि ये सिद्धांत देश के लोगों को प्रेरित करते रहते हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सभी देशवासियों की ओर से पूज्य बापू को उनकी जयंती पर नमन। सत्य, सद्भाव और समानता पर आधारित उनका जीवन और आदर्श हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

सुरनकोट से भाजपा उम्मीदवार सैयद बुखारी का निधन

जम्मू,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में सुरनकोट निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सैयद मुश्ताक बुखारी का बुधवार को बीमारी के कारण निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। श्री बुखारी का निधन जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले स्थित उनके पैतृक स्थान पामरोट में हुआ। वह जम्मू क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र सुरनकोट से दो बार विधायक रहे। श्री बुखारी 2022 में भाजपा में शामिल होने से पहले चार दशक से अधिक समय तक नेशनल कॉन्फ्रेंस से जुड़े रहे। पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिये जाने को लेकर पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों के कारण उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस से नाता तोड़ लिया था।चुनाव परिणाम से पहले बीजेपी को बड़ा झटका इस घटना से चुनाव के अंतिम चरण के बाद भाजपा को एक बड़ा नुकसान हुआ है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं, जिनमें जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता शामिल हैं, ने बुखारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। यह भाजपा के लिए न केवल चुनावी, बल्कि सामाजिक रूप से भी एक बड़ी क्षति मानी जा रही है, क्योंकि बुखारी को उनके क्षेत्र में एक प्रभावशाली नेता के रूप में जाना जाता था। परिवार में उनकी पत्नी, 2 बेटी व एक बेटा भाजपा नेता मुश्ताक बुखारी के निधन से उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शोकाकुल हैं।

'पान और गुटखा खाकर रोड पर थूकने वालों की अखबार में छापनी चाहिए फोटो'

● स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने दिया आइडिया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नितिन गडकरी गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत को लेकर नागपुर नगर निगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसके अलावा, गडकरी ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों के बारे में भी बात की। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पान मसाला, गुटखा खाने और सड़क पर थूकने वालों से निपटने के लिए एक अनोखा आइडिया दिया। गडकरी ने कहा कि पान, मसाला और गुटखा खाकर सड़क पर थूकने वालों की फोटो खींचकर अखबार में छपवाई जाए। गडकरी गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत को लेकर नागपुर नगर निगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसके अलावा, गडकरी ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोग बहुत होशियार हैं, चॉकलेट खाते हैं और उसके रैपर सड़कों पर फेंक देते हैं और वही व्यक्ति जब विदेश जाता है तो चॉकलेट का रैपर अपनी जेब में रखता है, विदेश में अच्छा व्यवहार करता है और यहां सड़क पर फेंक देता है। गडकरी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि वह आजकल जब भी चॉकलेट खाते हैं तो घर पहुंचने के बाद चॉकलेट का रैपर फेंक देते हैं. पहले उसे शराब पीने के बाद उसका रैपर बाहर फेंकने की भी आदत थी। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गांधी जयंती को स्वच्छ भारत के प्रतीक दिवस के रूप में समर्पित किया है। हर साल, सरकार और अन्य राज्य संस्थान इसके आसपास स्वच्छता अभियान (स्वच्छता अभियान) या कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पीएम मोदी आज पंडारा पार्क के एक स्कूल पहुंचे और झाड़ू लगाकर इलाके में सफाई की। देशभर में ऐसे कई आयोजन किये गये. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी संसद परिसर में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

भारतीयों को ईरान की गैर जरूरी यात्रा से बचने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। सरकार ने सुरक्षा के गंभीर हालात के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को ईरान की गैर जरूरी यात्रा से बचने और वहां रह रहे भारतीयों को तेहरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय की ओर से बुधवार को यहां ईरान को लेकर जारी यात्रा परामर्श में कहा गया, "हम क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में हालिया वृद्धि पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की सभी गैर-जरूरी यात्रा से बचें।" परामर्श में कहा गया, "वर्तमान में ईरान में रहने वालों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और तेहरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें।"क्या है ममला? इससे पहले ईरान ने मंगलवार रात को इस्राइल को निशाना बनाकर करीब 200 मिसाइलें दागी थीं। इस्राइल की सेना ने बताया कि हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस बीच इस्राइल भी ईरान में एक के बाद एक हमले कर रहा है। वह ईरान में हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रहा है। हाल ही में इस्राइल ने हिजबुल्ला के प्रमुख नसरल्ला को ढेर कर दिया था। अमेरिका ने क्या कहा? वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इस्राइल पर ईरान का मिसाल हमला विफल और निष्प्रभावी प्रतीत होता है।

बाढ़ से बिहार का बुरा हाल

● बर्बाद और बेहाल! दरभंगा से सहरसा तक नए इलाकों में फैला कोसी-गंडक का पानी

पटना,(एजेंसी)। बिहार में कुल 38 जिले हैं जहां बीते दो दिनों से 16 लाख से अधिक लोग बाढ़ से जूझ रहे है। बिहार में सब डूबा हुआ है। लोगों के पास खाने, पीने से लेकर रहने तक का ठिकाना नहीं बचा है। बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं सब बेहाल है। नेपाल में भारी बारिश का दंश बिहार झेल रहा है। इस दौरान नदी नाले उफान पर है। बिहार, कोसी, गंडक और गंगा नदी में लगाता बाढ़ आई हुई है। इस बाढ़ के कारण कई जगह तबाही का मंजर फैला हुआ है। बीते 24 घंटों के दौरान दरभंगा से लेकर सहरसा में बाढ़ का पानी फैला हुआ है। अब तक 19 जिलों में 12 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके है। बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित जिले पश्चिम चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढी, सुपौल, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण, सहरसा और कटिहार हैं। इन जिलों के 76 प्रखंडों की 368 पंचायतों में बाढ़ का पानी फैल गया है। यहां लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। दरअसल, बिहार में कुल 38 जिले हैं जहां बीते दो दिनों से 16 लाख से अधिक लोग बाढ़ से जूझ रहे है। बिहार में सब डूबा हुआ है। लोगों के पास खाने, पीने से लेकर रहने तक का ठिकाना नहीं बचा है। बुजुर्ग, बच्चे, महिलाएं सब बेहाल है। सरकार का दावा है कि बाढ़ ग्रस्त इलाकों में राहत दी जा रही है। राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 16 टीमों को लगाया गया है। कई प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर इंजीनियर भी जुटे हुए है।

चिराग पासवान ने लिया जायजा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'भयावह' स्थिति का विवरण साझा करेंगे।

रणनीतिक महत्त्व

रूस के लिए मोदी की यात्रा रणनीतिक महत्त्व का साबित हुई। रूस का खास प्रयास पश्चिम के इस प्रचार को झुठलाने का है कि उसे अंतरराष्ट्रीय जगत में अलग–थलग कर दिया गया है। इस लिहाज से इस यात्रा का महत्त्व स्पष्ट है।

भारत–रूस दोनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा को सफल बताया है। लेकिन सफलता को मापने के दोनों के संभवतरू अलग–अलग पैमाने हैं। भारत की नजर में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में हुए समझौतों से देश को फायदा होगा। दोनों देशों ने 2030 तक सालाना आपसी व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक ले जाने का इरादा जताया है, जो फिलहाल 65 बिलियन डॉलर के करीब है। खबरों के मुताबिक रूस भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल देते रहने पर राजी हुआ है। इसके अलावा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग आगे बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में तकनीक ट्रांसफर जारी रखने पर भी रजामंदी हुई। मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के सामने भारतीय नौजवानों को जबरन रूसी सेना में शामिल करने का मुद्दा उठाया, जिस पर पुतिन उन्हें जल्द वहां से मुक्ति देने पर सहमत हुए।

इसके अलावा भारत के नजरिए एक सफलता यह भी है कि रूस ने अपने प्रतिष्ठित सम्मान– ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू द अपोस्टल से मोदी को सम्मानित किया। विदेश में मोदी के ऊंच कद की छवि बनाना गुजरे दस साल में भारतीय विदेश नीति का एक खास प्रयास रहा है। इस सम्मान से इस कथा में एक नया पहलू जुड़ा है। उधर रूस के लिए यह यात्रा दूरगामी रणनीतिक महत्त्व का साबित हुई। पिछले सवा दो साल में रूस का खास प्रयास पश्चिम के इस प्रचार को झुठलाने का है कि उसे अंतरराष्ट्रीय जगत में अलग–थलग कर दिया गया है। जिस भारत में अमेरिका ने गुजरे वर्षों में खास रणनीतिक निवेश किया है, उसके प्रधानमंत्री मास्को जाकर पुतिन के गले लगें, तो उसका प्रतीकात्मक महत्त्व स्पष्ट है। रूस और चीन की फिलहाल कोशिश यह है कि भारत को जितना संभव है तटस्थ रखने का प्रयास किया जाए, ताकि इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में पश्चिमी रणनीति ऊहापोह की शिकार बनी रहे। इसीलिए चीन में मोदी की मास्को यात्रा का दिल खोल कर स्वागत किया गया है। बेशक, इस यात्रा से अमेरिका की तल्खी बढ़ी है, जो उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया से जाहिर हुआ है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

धरती का पलय बाढ़ से नहीं बरसती आग से

प्रमोद भार्गव

इस बार वैश्विक गर्मी चरम पर है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार बीते वर्ष और पिछले दशक ने धरती पर आग बरसाने का काम किया है।

अमेरिका की पर्यावरण संस्था वैश्विक विटनेस और कोलंबिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया है कि तेल और गैस के अधिकतम मात्रा में उत्पादन से ये हालात पैदा हुए हैं। यदि इन ईंधनों के उत्सर्जन का यही हाल रहा तो 2050 तक गर्मी चरम पर होगी।

गर्मी से जीव–जगत की क्या स्थिति होगी? अनुमान लगाना भी मुश्किल है। बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसीलिए कहा जा रहा है कि धरती पर पलय बाढ़ से नहीं, आसमान से बरसती आग से आएगी। धरती के जीव–जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। संकट से निपटने के उपायों को तलाशने के लिए 198 देश जलवायु सम्मेलन करते हैं। इन सम्मेलनों का प्रमुख लक्ष्य रहा है कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक स्थिर रखा जा सके लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि कुछ सालों के भीतर गर्मी तापमान की इस सीमा का उल्लंघन कर लेगी क्योंकि इस बार तीन सप्ताह से लगातार गर्मी का तापमान 40 से 55 डिग्री तक बना रहा। दिल्ली में तापमान 52.9 डिगी तक पहुंच चुका है। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के चलते 1000 से ज्यादा हज यात्रियों की मौत हुई है।

इस कदर गर्मी का अनुमान पर्यावरणविद् ने पहले से लगा लिया था। इनकी सलाह पर 100 से ज्यादा देश 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के प्रयास में जुटे हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रेत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं। पर्यावरणविद् के मुताबिक, सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी। नतीजतन, पृथ्वीवासियों को तबाही का सामना करना पड़ेगा।

इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय

पर्यावरण सम्मेलन, जिसे कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपीध्कॉप) के नाम से भी जाना जाता है, में पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई। लेकिन लंबे समय से चल रहे रूस और यूक्रेन तथा इस्रइल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंतण्र के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उनमें से कई रूस ने चालू कर लिए हैं।

नवम्बर, 2021 में ग्लासगो वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत–चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा परंतु उपरोक्त युद्धों के चलते अनेक देशों ने अपने थर्मल पावर बंद नहीं किए हैं।

बदलते हालात में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850–1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है।

गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। दुनिया में बढ़ती कारें भी गर्मी बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर कारों की संख्या 1.475 बिलियन आंकी जा रही है या प्रत्येक 5.5 व्यक्ति पर एक कार है, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रही हैं। इन पर भी नियंतण्र जरूरी है।

सड़क-फुटपाथ हर रोज चकाचक क्यों नहीं

अली खान

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री या कोई वीआईपी आता है, तो सड़कों और फुटपाथ को चकाचक कर दिया जाता है। यदि एक दिन यह हो सकता है, तो सभी लोगों के लिए हर रोज क्यों नहीं हो सकता। आखिरकार, नागरिक टैक्स देते हैं, और साफ–सुथरे और सुरक्षित फुटपाथ पर चलना उनका भी मौलिक अधिकार है।

बता दें कि जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ फुटपाथ मुहैया कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। राज्य सरकार के केवल यह सोचने से काम नहीं चलने वाला कि शहर में फुटपाथ घेरने वाले अनिधकृत फेरीवालों की समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए। उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट ने शहर में अनिधकृत रेहड़ी–पटरी वालों की समस्या पर पिछले वर्ष स्वतरू संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है, लेकिन राज्य और नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। हम अपने बच्चों को फुटपाथ पर चलने को कहते हैं, लेकिन चलने को फुटपाथ ही नहीं होंगे तो हम उनसे क्या कहेंगे? इस बीच आम–आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर, मूल अधिकार से क्या अभिप्राय है?

दरअसल, मूल अधिकार ऐसे अधिकारों का समूह है जो किसी भी नागरिक के भौतिक (सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक) और नैतिक विकास के लिए आवश्यक हैं। मौलिक अधिकार किसी भी देश के संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई आवश्यक स्वतंत्रता और अधिकारों के एक

समूह को भी संदध्मत करते हैं। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आधारशिला को भी निर्मित करते हैं तथा नागरिकों की राज्यों के मनमाने कार्यों एवं नियमों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। बुनियादी मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रताओं को सुनिश्चित करते हैं। एक राष्ट्र के भीतर लोकतंत्र, न्याय और समानता को बनाए रखने के लिए ये अधिकार संविधान के अभिन्न अंग हैं। इन अधिकारों को मौलिक अधिकार माना जाता है, क्योंकि ये व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास, गरिमा और कल्याण के लिए आवश्यक हैं। इनके असंख्य महत्त्व के कारण ही उन्हें भारत का मैग्ना कार्टा भी कहा गया है। ये अधिकार संविधान द्वारा गारंटीकृत और संरक्षित हैं, जो देश के मूलभूत शासन को संदध्मत करते हैं।दरअसल, हकीकत यह है कि शहरी भारत में पैदल चलने के लिए वर्तमान में कई बाधाओं और रुकावटों से गुजरना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर किसी की सुरक्षा को जोखिम में डालना पड़ता है। यहां तक कि कभी–कभी किसी की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। भारतीय शहरों में पैदलयात्रियों की उपेक्षा केवल पैदलयात्रियों की सुविधाओं को कम प्राथमिकता देने और उनके खराब क्रियान्वयन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बड़े प्रणालीगत मुद्दे का भी प्रतिबिंब है। दरअसल, भारत में पैदलयात्रियों के लिए कानूनी अधिकारों और उपायों की व्यापक व्यवस्था का अभाव है। कमोबेश सभी शहरों की अधिकांश सड़कों पर अतिक्रमण का बोलबाला है। अतिक्रमण के चलते फुटपाथ गुम हो गए हैं। इन पर जनता का अधिकार है। मौजूदा वक्त में फुटपाथ की समस्या नासूर बन चुकी है। चिंता की बात है कि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लिहाजा, सरकार को चाहिए कि जनता के लिए स्वतंत्र और सुरक्षित फुटपाथ मुहैया करवाए। फुटपाथ पर बैनर लगाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

कैसे देश जीतेगा जंग नशे के खिलाफ

आर.के. सिन्हा

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं।

नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के–लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार–विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं।

दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को।नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई–सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य

के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है।

राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, ष्भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है।ष जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े।

कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके–मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे–, ष सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रूकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है। आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह–अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएँ के छल्ले उड़ाना और महँगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वर्ना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

तीन बच्चियो को अज्ञात वाहन में मारी टक्कर दो सगी बहनो की मौत

वर्षो से अलग रह रहें दम्पतियों की एक साथ बिदायी करायी गई

सीतापुर(आरएनएस)। लहरपुर कोतवाली इलाके में एक भीषण सड़क हादसे में दो सगी बहनों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब दोनों सगी बहनें गांव की ही एक लड़की के साथ सुबह सड़क पर निकली थी। इस दौरान पीछे से एक तेज रफ्तार वाहन ने तीनों लड़कियों को रौंद दिया। इस हादसे में दो सगी बहनों की मौत हो गई। हादसे के बाद सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों किशोरियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। हादसे में घायल लड़की को इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। बताते चले कि घटना लहरपुर कोतवाली इलाके के भदफर पुलिस चौकी इलाके के गांव भगारपुरवा मजरा रुखारा में बुधवार रात अचानक गांव में मगरमच्छ आ गया था। इसके बाद गांव में हड़कंप मच हुआ था। गांव के सभी लोग मगरमच्छ को भगाने के लिए सड़क पर उतर आए। उसके बाद मगरमच्छ खेतों में भाग गया। मगरमच्छ के जाने के बाद सुबह 6 बजे गांव के ही निवासी राम शंकर पुत्र बदलू की दो किशोरियां आरती (12) वर्ष और रंजना (10) गांव के ही एक लड़की के साथ लखीमपुर मार्ग पर टहल रही थी। बताया जा रहा है कि इसी दौरान आर्यावर्त बैंक के समीप पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से तीनों को रौंद दिया। इसके वाहन चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया। इस हादसे में दो सगी बहनें आरती और रंजना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना पाकर मौके पहुंची भदफर चौकी पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायल लड़की को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद वाहन मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

एक महीने पूर्व हुई मारपीट में घायल युवक की मौत–सीतापुर(आरएनएस)। मछरेहटा थाना क्षेत्र में एक महीने पूर्व हुई मारपीट में घायल युवक कमल किशोर की मौत के बाद परिजनों ने थाने के सामने हंगामा किया। बुधवार को, परिजन युवक का शव लेकर पहुंचे और कार्रवाई की मांग करते हुए थाने के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, यह मामला ग्राम कुहेटा लमीरामपुर का है। जहां 35 वर्षीय कमल किशोर को एक माह पहले मारपीट में गंभीर चोटें आई थीं। उनका इलाज लखनऊ में चल रहा था, लेकिन मंगलवार रात उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी कोकिला ने पहले ही पुलिस को तहरीर दी थी, जिसमें गांव के सूरज पर गाली–गलौज और मारपीट का आरोप लगाया गया था। परिजनों का कहना है कि दरोगा नासिर खान ने एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे आक्रोशित परिजनों ने शव के साथ थाने के बाहर प्रदर्शन किया। हंगामे की सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक जेपी पांडे ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शस्त्र के साथ एक गिरफ्तार–सीतापुर(आरएनएस)। कोतवाली महोली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के भुड़कुड़ी टैंकी के निकट छापेमारी की। यहाँ पर पुलिस ने बाइक सवार भुड़कुड़ी निवासी वैभव मिश्रा उर्फ वीरेंद्र पुत्र कैलाश मिश्रा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा मय कारतूस के बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। वहीं बाइक को एमवी एक्ट के तहत सीज करने के कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

36 घंटे बाद भी नही शुरू हुई विद्युत आपूर्ति गांवों में छाया अंधेरा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। जिले के ड्रमंडगंज क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश से मंगलवार भोर से विद्युत आपूर्ति बाधित है। दूसरे दिन बुधवार शाम पांच बजे तक विद्युत आपूर्ति शुरू नही हो पाई। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से जगह–जगह विद्युत पोल धराशाई हो गए और तार टूटने से विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। मंगलवार को क्षेत्र में अंधेरा पसरा रहा बुधवार शाम तक बिजली नही आने से लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रक ने ओवरटेक करते समय ट्रेलर में मारी टक्कर, महिला घायल

लालगंज, मीरजापुर। फोरलेन सड़क पर बहेरा गांव के सामने वृहस्पतिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। मुंबई से आसाम व्यालर टैंक लेकर जा रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से आ रहे एक ट्रक ने ट्रेलर में टक्कर मार दिया। पीछे से आ रही टेंपो भी चपेट में आ गई। इस हादसे में टैंपो में सवार 48 वर्षीय महिला के सिर में गंभीर चोटें आई। हादसा उस समय हुआ जब ट्रेलर लालगंज के बहेरा गांव के सामने पहुंचा था कि पीछे से मिर्जापुर की ओर जा रहे ट्रक ने ओवरटेक करते समय ट्रेलर को टक्कर मार दिया। जिससे टैंपो भी चपेट में आ गया। टेंपो में सवार महिला घायल हो गई। इस टक्कर से ट्रक और ट्रेलर दोनों के अगले हिस्से को भारी क्षति पहुंची है।

संक्षेप

श्रोताओं को कराया रसपान

चित्रकूट(आरएनएस)। धर्मनगरी के श्री बूढ़े हनुमान मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम दिवस पर कथा व्यास ने श्रीकृष्ण और सुदामा मित्रता की कथा का रसपान श्रोताओं को कराया।कथा व्यास मनोज महाराज ने बताया कि एक बार भगवान श्रीकृष्ण से द्वारपाल ने कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। द्वारपाल ने बताया कि सुदामा नाम बता रहे हैं। कृष्ण ने सुदामा को देखकर उन्हें अपने सीने से लगा लिया। दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अचंभित हो गए। कृष्ण ने सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया। चरणारविन्दो को अपने अश्रुओं से धुलकर उन्हें कुबेर का धन दिया। उन्होंने कहा है कि राजा परीक्षित ने व्यास पुत्र शुकदेव मुनि से भागवत कथा सुनने की मांग की थी। शुकदेव जी ने परीक्षित को सात दिन तक भागवत कथा सुनाई थी। भागवत कथा पौराणिक कथा है और हिंदू धर्म में इसकी बहुत महिमा है। भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीष, अषाढ़ और श्रावण के महीनों में भागवत कथा सुनने से मोक्ष की प्राप्ति आसान होती है। इस कथा को सभी वेदों का सार माना जाता है। कथा पश्चात आरती व प्रसाद वितरण किया गया।

पीडितों के एफआईआर समय से करें

जौनपुर(आरएनएस) । निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार वी.के. सिंह के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों पर घटित उत्पीड़न के विभिन्न थानों में पंजीकृत लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में अधिकारियो के साथ चर्चा की। निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीडितों के एफआईआर समय से दर्ज किये जाए क्योंकि समय से एफआईआर दर्ज न होने से साक्ष्य नष्ट हो जाते है। उन्होंने विभिन्न प्रकरणों में अब तक की गयी कार्यवाही की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मानवता के आधार पर गरीब, मजलूमों को न्याय दिलाने का कार्य करें। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुरस्कार के लिए आवेदन करे

जौनपुर(आरएनएस) । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी0के0 सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष में ''खादी एवं ग्रामोद्योग पुरस्कार योजना'' के अन्तर्गत विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार में जिन उद्यमियों की इकाई विगत तीन वर्षों से स्थापित तथा निरन्तर कार्यरत है एवं अधिक से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रही है। विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यरत इकाईयों द्वारा निर्धारित प्रारुप पर सूचना 05 अक्टूबर तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मतापुर में उपलब्ध करा सकते है, प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पुरस्कार हेतु गठित चयन कमेटी के माध्यम से चयन कार्यवाही की जायेगी।

बाल लीला प्रभु की अद्भुत लीला

जौनपुर(आरएनएस) । खलीलपुर गाँव में चल रही पांचवे दिन श्रीमदभागवत कथा में पं0 प्रवीण जी महराज ने गिरिराज पूजन व रास लीला पर विशेष रूप से प्रकाश डाला । बताया कि रास लीला को जनसाधारण लोग काम की लीला मानते है जबकि भगवान की यह लीला असाधारण अद्भुत लीला है अर्थात काम पर विजय की लीला है। लाला के जन्म के बाद दर्शन के लिए लोगो के आने का सिलसिला शुरू हो गया । दर्शन के लिए शंकर भगवान भी आए ,पूतना भी आई । इसके पूर्व ही बरसाने में राधेरानी प्रकट हो चुकी थी जिनसे वृजभान जी ने कृष्ण के साथ विवाह पक्का भी कर नंद जी को भी इसकी बधाई दे चुके । कंस को घटना की जानकारी मिलने पर बाल हत्या के लिए भेजा । पूतना राक्षसी ने स्तन पर बिष लगाकर लाला को पिलाने चली लेकिन कृष्ण उसे माता का स्थान देकर उसका उध्दार करते है ।स्तनपान के समय कृष्ण आखे बन्द कर पान कर रहे है ।पूतना वास्तविक स्वरूप में आ गई । अंत में पूतना का भी उध्दार कृष्ण ने ही किया। कथा में कृष्ण की बाल लीलाए व माखनचोरी दही हंडी के दृश्य लोगो को आकृष्ट कर रहे थे । भजन गायक शिवम व जोड़ीदार सुशांत ने सुमधुर वाद्य पर भजनो का श्रवण कराकर जनमानस का दिल आनंदित कर दिया । कथा 22 सितम्बर रविवार को विश्राम व 23 सितम्बर सोमवार भण्डारे महाप्रसाद तक चलेगी ।

आमने सामने दो ट्रकों की भिड़त

राजापुर। कर्वी–राजापुर रोड में भरत पेट्रोल पंप के पास आमने सामने दो ट्रकों की भिड़त हो गई। इससे अज्ञात चालक घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही घटना स्थल पर लगभग एक घंटे तक जाम लगा रहा। इससे आवागन करने वाले ट्रक सहित अन्य वाहन खड़े। सडक से जब ट्रक हटाया गया। इसके बाद जाम खुला।

नानाजी की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन

चित्रकूट। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को चित्रकूट आगमन पर दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम स्थित हेलीपैड पर उतरे। जहां डीआरआई के प्रधान सचिव अतुल जैन एवं मप्र सरकार की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, सतना महापौर योगेश ताम्रकार ने गुलदस्ता भेंटकर अभिनन्दन किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने आरोग्यधाम परिसर स्थित भारतरत्न नानाजी देशमुख की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान डीआरआई के उपाध्यक्ष उत्तम बनर्जी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्री गणेश प्रतिमा स्मृति चिन्ह व संस्थान के पदाधिकारियों ने नानाजी के जीवन दर्शन पर आधारित साहित्य और रानी दुर्गावती के साहित्य के साथ आरोग्यधाम में तैयार हर्बल उत्पादों की किट भी प्रदान किया। उपराष्ट्रपति ने आरोग्यधाम में हर्बल गार्डन के पास धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़ के साथ पारिजात के वृक्ष का रोपण किया। इस मौके पर उप महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल, समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी डॉ अशोक पांडेय, वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेन्द्र सिंह, रिसोर्स सेन्टर प्रभारी विनीत श्रीवास्तव, आयुर्वेद शोधशाला प्रभारी डॉ मनोज त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पितृपक्ष में शास्त्रीय विधानों संग आचरण की शुद्धता भी जरूरी

मीरजापुर। पितृ–पक्ष की महत्ता से अवगत कराने के लिए विन्ध्य संत मण्डल द्वारा एक संगोष्ठी की गई जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं को अवगत कराया गया कि वे हर स्थिति में सोलह दिनों के इस पर्व पर दिवंगत पितृ देवताओं के निमित्त शास्त्रों द्वारा निर्देशित कर्म अवश्य करें। यदि कोई पूर्णतया साधन विहीन हो तो भी भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पितृ देवताओं को दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके श्रद्धापूर्वक अपनी विवशता बताते हुए जल से अर्घ्य दें। नगर के गैबीघाट स्थित श्री बाल हनुमान मंदिर पर बुधवार को आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता मण्डल के अध्यक्ष भरत गिरि महाराज ने की जबकि मुख्य वक्ता के रूप में बरकछा आश्रम के सन्त धर्मराज महाराज ने कहा कि पितरों के सम्मान में किसी विद्वान को भोजन, दान के साथ गाय, कौआ, चींटी एवं कुत्ते आदि को भी अग्रासन देना चाहिए। ये जीव पर्यावरण संरक्षण में भूमिका अदा करते हैं। इस अवसर पर गैबीघाट के महात्मा ने कहा कि लोग प्रश्न करते हैं कि पशु–पक्षियों को कुछ खिलाने से क्या पितरों को अंश प्राप्त होता है? इसका उत्तर यही है कि जैसे विदेशों में प्राप्त डॉलर–दीनार भारत में आते–आते रुपए में बदल जाता है, उसी तरह अग्रासन भी पितरों तक पहुंच जाता है। इसी क्रम में कचहरी बाबा आश्रम के संत श्रीकांत महाराज ने कहा कि पितरों का ऋण चुकाए बिना मुक्ति नहीं मिलती । अन्य वक्ताओं में छीतपुर आश्रम के पंचू महाराज, जालपा देवी आश्रम के दिव्यानन्द महाराज, विजय नारायण दास, मण्डल के कोतवाल तेजबली दास, पुरोहित श्याम सुंदर शुक्ल आदि ने पितृ पक्ष के सरलतम उपायों पर प्रकाश डाला तथा इस अवधि में आचरण की शुद्धता पर अपनाने की सलाह दी गई, क्योंकि छल–छद्म में लगे संतानों को देखकर पितरों को कष्ट मिलता है। संगोष्ठी का संचालन सलिल पांडेय ने किया।

डीएम ने दूर से आये हुये ीिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

[illegible]। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता शनी यादव निवासी होशियारपुर ने शिकायत किया कि ग्राम होशियारपुर का गाटा संख्या 660 जो चकमार्ग के खाते में दर्ज है और चकमार्ग मौके पर खाली है, प्रार्थी व अन्य लोगों को आने जाने में असुविधा है, जनहित में चकमार्ग को बनवाया जाये तथा मिट्टी डलवाना आवश्यक है इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी बाबा बेलखरनाथधाम को निर्देशित किया है कि रास्ते का निर्माण करायें, राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन कराया जा चुका है आख्या उपलब्ध करायें। शिकायतकर्ता दूधनाथ निवासी आशापुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी से पप्पू मोदनवाल ने कोई बैनामा नही कराया है और प्रार्थी की भूमि को जबरन कब्जा कर लिया, प्रार्थी ने कई बार जमीन/मकान खाली कर देने को कहा परन्तु पप्पू मोदनवाल खाली नहीं कर रहा है तथा आमादा फौजदारी होता है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसओ जेठवारा को निर्देशित किया है कि यदि बैनामा इत्यादि नही हुआ है तो विपक्षी द्वारा उसका उपयोग करने का अधिकार नहीं है उचित कार्यवाही करें। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अन्य प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण यथाशीघ्र किया जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े।

56 भोग चढ़ाकर किया गया भण्डारे का आयोजन

चित्रकूट(आरएनएस)। भगवान श्रीकृष्ण के जल विहार एवं तुलादान के बाद सोमवार को 56 प्रकार के व्यंजनों से भगवान का महाभोग लगाया गया। साथ ही विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें गरीबों को भोजन कराकर वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के मंगल उत्सव की 50वीं वर्ष गांठ के अवसर पर प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं नारायण दत्त त्रिपाठी ने बताया कि एक बार भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्र देव के प्रकोप से ब्रजवासियों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था। तब उन्हें लगातार सात दिन तक भूखा रहना पड़ा था। इसके बाद उन्हें 7 दिनों और 8 पहर के हिसाब से 56 व्यंजन खिलाए गए थे। इस घटना के बाद से ही भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाने की परम्परा आरम्भ हुई। उन्होंने बताया कि भण्डारे की परम्परा भारत में प्राचीन काल से चली आ रही है। समय के साथ अब इसका स्वरूप बदल गया है। प्राचीन काल में यह अन्नदान के रूप में जाना जाता था। अन्न दान का उल्लेख शास्त्रों और पुराणों में कई स्थानों पर किया गया है। पुरातन काल में राजा महाराजा यज्ञ हवन और धार्मिक अनुष्ठन करवाते थे। इनमें गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र वितरित किया जाता था। आज वही परम्परा भण्डारें के रूप में विकसित हो गयी है। उन्होंने बताया कि संसार में सबसे बडा दान अन्न दान है। अन्न से ही यह संसार बना है और अन्न से ही इसका पालन हो रहा है। अन्न से शरीर और आत्मा दोनों की संतुष्टि होती है। ऐसे में अन्नदान सभी प्रकार के दान से उत्तम है। उन्होंने बताया कि पद्म पुराण के श्रृष्ठि खण्ड में एक कथा का उल्लेख किया गया है। जिसमें ब्रम्हा और विदर्भ के राजा श्वेत के बीच हुए संवाद से पता चलता है कि जो व्यक्ति अपने जीवन काल में जो भी दान करता है उसे वही वस्त्र मृत्यु के बाद परलोक में प्राप्त होती है।इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, समाजसेवी कमलेश मिश्रा, गुड्डन दुबे, अंकुर त्रिपाठी, अनुज त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में अभिरूप वर्मा का जलवा

मीरजापुर। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान अहमदाबाद के देख रेख में आयोजित इंस्पायर्ड अवार्ड योजना के वर्ष 2022 के राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन 17 से 19 नवम्बर तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हाल नंबर में आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम में सेंट मैरिज स्कूल पिली कोठी मिर्जापुर के छात्र अभिरूप वर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया है। अभिरूप वर्मा ने सेमी ऑटो मैटिक बीज बोने की मशीन किसानों के लिए विकसित की है। यह मशीन स्वचालित कार्य क्षमता के साथ मशीन कुशलता पूर्वक मिट्टी में लगभग 5 से 6 सेमी की गहराई पर छेद करती है जिससे सटीक बीज प्लेसमेंट की सुविधा मिलती है और बीज की बर्बादी भी कम होती है। यह मशीन किसानों के लिए बहुत लाभप्रद होंगी। इस मशीन को बनाने में विद्यालय के शिक्षक डॉक्टर मनोज कुमार एवं इनके चाचा गौरव वर्मा ने सहयोग कियाध् जिला विज्ञान क्लब समन्वयक सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि इंस्पायर्ड अवार्ड कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है जिसमें कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों द्वारा नए विचार मांगे जाते है। जिसमें पूरे देश के बच्चे अपने आईडिया विद्यालय के माध्यम से ऑन लाइन भेजते है जो आईडिया राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा चयनित किये जाते हैं उन बच्चों को 10000 रूपये उनके खाते में भेजे जाते हैं। इस धनराशि से बच्चे अपने आईडिया को मॉडल के रूप मे विकसित करते हैध्। जिनका मूल्यांकन अंचल, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित मॉडल के छात्रों को जापान एक्सपोजार विजिट के लिए भेजा जाता है। अभिरूप वर्मा का चयन विभिन्न स्तरों से होता हुआ राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया है। उत्तर प्रदेश से केवल 6 आईडिया ही राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया है यह जिले के लिए गर्व की बात है। यह चयन वर्ष 2022 के कार्यक्रम का है. इस समय अभिरूप वर्मा कक्षा 11 के गणित वर्ग के छात्र है ।

डीएम ने तुलसी स्मारक सभा स्थल के निर्माण का निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने शुक्रवार को कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के तुलसी स्मारक सभा स्थल राजापुर में कराए जा रहे लाइब्रेरी निर्माण, मल्टीपरपज हाल, डारमेट्री, शौचालय, फाउंटेन, पाथ वे, पार्किंग, बाउंड्रीवॉल आदि के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिशासी अभियंता अमर सिंह राठौर को निर्देश दिए कि तुलसी स्मारक सभा स्थल जो भी पर्यटन विकास के कार्य कराए जा रहे हैं उसमें शासन की मंशा के अनुरूप समयसीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण हों। निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी है। मैन पॉवर बढ़ाकर निर्माण कार्य कराएं। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने पुराने गेस्ट हाउस का भी निरीक्षण किया। इस दौरान तहसीलदार राजापुर रामसुधार सिंह, सहायक अभियंता सुनील कुमार कनौजिया, अवर अभियंता अमित कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भरभराकर कर गिरी छत,तीन लोग गंभीर

ऊंचाहार,रायबरेली(आरएनएस) ।तहसील क्षेत्र में मरम्मत के लिए पक्की छत तोड़ते समय भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर छत तोड़ रहे तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये, जिसमें एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्रतापगढ़ जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गाँव निवासी अंकित 22 वर्ष रविवार की सुबह पक्के मकान के छत की मरम्मत के लिए परिवार के ही धीरेंद्र 26 वर्ष व विकास 23 वर्ष के साथ हथौड़े से छत तोड़ रहा था, इसी दौरान छत भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर तीनों युवक घायल हो गये, परिजनों द्वारा आनन फानन घायलों को सीएचसी लाया गया, जहां से अंकित कुमार को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि घायल अवस्था में तीन लोगों को सीएचसी लाया गया था, जिसमें एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार– ऊंचाहार,रायबरेली ।कोतवाली क्षेत्र में बाइक की डिग्गी में गांजा रखकर जा रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरकर कर जेल भेजा है ।सलोन थाना क्षेत्र के हटका मजरे उमरन गाँव निवासी दुर्गेश मिश्रा साथ में ऊधवामऊ गाँव निवासी सतीश पटेल के साथ रविवार की सुबह बाइक की डिग्गी में गांजा भरकर जा रहा था, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सादे की बाजार रेलवे क्रासिंग के पास उन्हें रोककर जब तलाशी ली तो उनके पास से 958 ग्राम गांजा बरामद किया गया ।कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर दोनों युवकों को जेल भेजा गया है।

दुष्कर्म के आरोपी पीड़िता को दे रहे धमकी

चित्रकूट। एक अस्पताल के डॉक्टर व एक दरोगा समेत कई पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने एसपी से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है ।राजापुर थाना क्षेत्र के एक कस्बा निवासी महिला शुक्रवार को पति के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। सौपे गए पत्र में आरोप लगाया कि कस्बे के सिद्धिविनायक अस्पताल के डॉक्टर ने इलाज के दौरान वीडियो बनाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद सरधुआ में एक दरोगा से फिर कौशांबी में तीन लोगों से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कराया। राजापुर थाने में डॉक्टर समेत पांच के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज है। महिला ने एसपी से कहा कि आरोपी डॉक्टर दबाव डालकर धमकी दे रहे हैं कि वह जेल जाएंगे तो उसके पति को मार देंगे। इससे उसका परिवार भयभीत है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। भीम आर्मी के जिला संयोजक संजय गौतम व अन्य पदाधिकारी महिला व उसके परिजनों से मिले।

पस्त हुई पुलिसिंग चोरों का गढ़ बना गुरुबख्शगंज

रायबरेली(आरएनएस) ।पस्त हो चुकी पुलिसिंग का फायदा उठाकर चोरों, अपराधियों ने गुरुबख्शगंज अपना ठिकाना बना लिया है। शातिर अपराधी रोजाना पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। मगर पुलिस का रवैया जस का तस बना हुआ है। इसका नतीजा यह है कि रात को कौन कहे दिन में भी लोग चोरों से भयभीत हैं ।चोरी,लूट,हत्या जैसी गंभीर घटनाओं के बावजूद भी अपनी ऊंची रसूख व पकड़ रखते थाना अध्यक्षों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। मामला गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपरी गांव का है। जहां पर बीती रात गांव में ही रहने वाले अनूप के घर पर अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर लाखो की नगदी व जेवरात पार कर दिया। जानकारी के मुताबिक पिपरी गांव में रहने वाले पीड़ित अनूप ने बताया कि हम पूरे परिवार के साथ छत पर सो रहे थे। रात में घर के सामने का दरवाजा तोड़कर चोरों ने घर में घुसकर लाखों के नगदी व जेवरात जिसमें झुमकी, कमर पेटी इत्यादि समान था जिसे चुराकर वह फरार हो गए। इस बात की जानकारी हमें सुबह 5 बजे चली जब पूरा परिवार ऊपर छत से नीचे उतरा तो सामने देखा कि दरवाजा टूटा हुआ था घर के अंदर बक्से के ताले टूटे हुए थे। बक्से में रखा सारा सामान चोरी हो चुका था। जानकारी मिलते ही तत्काल गुरबक्श गंज थाने में इस मामले की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी है ।फिलहाल आपको बताते चलें कि गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिछले तीन हफ्ते के अंदर क्षेत्र के लगभग तीन दर्जन से अधिक घरों में करोड़ों की चोरी हो चुकी है लेकिन अभी तक गुरबक्शगंज थाने की पुलिस एक भी घटना का खुलासा नहीं कर पाई है। साथ ही यह भी बताते चलें कि इन बड़ी घटनाओं के बावजूद भी गुरबक्शगंज थाना अध्यक्ष अभी भी हाथ पैर हाथ रख कर बैठे हुए हैं।

एनसीआरः स्वच्छता दिवस पर पौधारोपण, वॉकाथन, पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा भारत सरकार की योजना के अनुरूप इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। "स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता" नारे के साथ आयोजित हो रहे इस पखवाड़े में (दो अक्टूबर) को गांधी जयंती के अवसर पर महाप्रबंधक उमेश चन्द्र जोशी, की अध्यक्षता और अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन चेतना जोशी की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम रेलगाँव स्टेडियम में वॉकाथन का आयोजन हुआ। तदोपरांत उत्तर मध्य रेलवे स्काउट एंड गाइड्स द्वारा प्लास्टिक के अनर्गल प्रयोग को रोकने के संदेश के साथ नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसमें प्लास्टिक के प्रयोग के कारण मानव जीवन एवं जानवरों सहित पूरी प्रकृति पर पड़ रहे प्रभावों को मार्मिक तरीके से दर्शा कर संदेश दिया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक सहित सभी उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य अतिथिगणों द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मियावाकी वृक्षारोपण स्थल पर पौधारोपण किया गया। इस स्थान पर 400 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 1200 पौधे लगाए गए। इसी क्रम में सफाई मित्रो को कपड़े के थैलों एवं अनाज का वितरण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। इस दौरान संत निरंकारी दल के स्वयंसेवकों द्वारा भी कार्यक्रम में सहभागिता की गई। इसके उपरांत रेल गाँव स्थित स्पंदन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों तथा स्वच्छता पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि, पर्यावरण अनुकूल रेलवे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे दैनिक कार्यप्रणाली में परिलक्षित होती है। ऊर्जा मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो , नई दिल्ली द्वारा वित्त वर्ष 2024 – 25 के लिए उत्तर मध्य रेलवे की तीन बिल्डिंग महाप्रबंधक कार्यालय के ए और बी ब्लॉक तथा पावर हाउस को प्रमाणित किया गया है। हरित ऊर्जा पहल की ओर मजबूत कदम बढ़ाते हुए हमने अपनी रेलवे में 12.47 मेगावाट की पावर क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए हैं। कानपुर स्टेशन एवं कैरिज वैगन डिपो , आगरा कैंट में स्वचालित कोच वाशिंग संयंत्र लगाया गया है। उत्तर मध्य रेलवे में स्टेशनों का वर्गीकरण करके उनके ऊपर विशेष ध्यान दिया गया है जिसके कारण स्टेशनों एवं कोचों की स्वच्छता में विशेष सुधार हुआ है। उत्तर मध्य रेलवे में 100: विद्युतीकरण किया जा चुका है जिसके कारण जीवाश्म ईंधन की खपत बहुत कम हो गई है।" उन्होने आगे कहा कि, इस पखवाड़े के दौरान उत्तर मध्य रेलवे में प्रथम मियावाकी प्लांटेशन भी हुआ है। उत्तर मध्य रेलवे में इस वर्ष स्वच्छता पखवाडा पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत रेलवे बोर्ड की योजना के अनुरूप उत्तर मध्य रेलवे में 1328 ब्ज्न बनाकर गहन सफाई कार्यक्रमों का आयोजन किया इस पखवाड़े के अंतर्गत सामूहिक प्रयासों से उन स्थानों की साफ सफाई भी की गई है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजिनियर श्री अनिमेष कुमार सिन्हा ने कहा कि, स्वच्छ जीवन शैली के बारे में भारतीय संस्कृति में काफी कुछ बताया गया है। इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़े की थीम स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता है। हमें आवश्यक है कि हम स्वयं गन्दगी ना करे और दुसरो को भी गन्दगी ना फैलाने के लिए प्रेरित करे। अगली पीढ़ी के पालन पोषण में स्वच्छता सम्बन्धी आदते डाले। कचरे के विलगीकरण हेतू सभी परिवार जनों की सहभागिता अवश्यक है।सार्वजनिक उपयोग के स्थानों जैसे कार्यालय , पार्क , सार्वजनिक परिवहन के साधनों इत्यादी में गन्दगी ना फैलाये। कूड़ा उचित कूड़े–दान में ही डालें या कूड़ा–गाड़ी वाले को दें जिससे कि हमारे आस पास का वातावरण शुद्ध रहे। इस अवसर पर स्वच्छता की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 रेल कर्मियों सहित प्रतियोगिताओं के कुल 52 विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के सांस्कृतिक टीम द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी गईं। इस दौरान गणेश वंदना, 'रघुपति राघव राजा राम पतित पवन सीता राम' एवं 'स्वच्छ भारत मिशन हमें गर्व है' पर नृत्य, छोड़ो 'कल की बातें कल की बात पुरानी', 'वैष्णव जन तो कहिए पीर पराई जाने तो', 'वंदे मातरम वंदे मातरम' आदि गायन प्रस्तुतियाँ हुई। कार्यक्रम का संचालन शिवाजी कदम द्वारा किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का आयोजन पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था शाखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे एस लाकरा सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता

प्रयागराज। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जिला गंगा समिति प्रयागराज द्वारा गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के स्वच्छ निर्मल एवं अविरल बनाने हेतु ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर के विभिन्न स्कूलों में जन–जागरूकता एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी एशा सिंह ने छात्रों से स्वच्छता के महत्व पर चर्चा करी स इस बार की थीम ष्स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छताष पर कहा की अपने मन और हृदय में स्वच्छता बनाए रखना समाज के अस्तित्व और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता को शामिल करना चाहिए तथा गीला और सूखा कचरा अलग–अलग डस्टबीन में डालना चाहिए। शिक्षक विजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना मानव संस्कृति की भलाई के लिए आवश्यक है। निर्मल कांत पांडे द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गयी। इसके साथ ही स्वच्छता पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे टॉप 3 छात्रो को सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किया गया।

वैज्ञानिक सोच बच्चों व देश के लिए बहुत जरूरीः बीईओ चाका

प्रयागराज। विकास खंड चाका जनपद प्रयागराज मे आयोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम में बीईओ चाका नरेन्द्र देव मिश्रा ने कहा कि वैज्ञानिक सोच बच्चों व देश के लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड के 32 विद्यालयों से आए 96 बच्चों के लिए बनाए गए 25 बहुविकल्पीय प्रश्नों से हुआ जिसमें 25 स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों में से पांच टीम क्विज प्रतियोगिता के लिए बनाई गई और एक टीम विजयी घोषित हुई जो जनपद में प्रतिभा करेगी। इन्हीं 25 बच्चों का साक्षात्कार करते हुए पांच सर्वश्रेष्ठ बच्चों का चयन भी जनपद के लिए किया गया जो वहां पर विकासखंड की तरफ से विज्ञान के मॉडल प्रस्तुत करेंगे।कार्यक्रम का आयोजन गणित के नोडल एआरपी अरविंद मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में अंतरिक्ष शुक्ला का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सुधीर पांडेय, सावित्री, अमर कुमार,राजेन्द्र प्रसाद,करतार सिंह, प्रेम सिंह, शालिनी श्रीवास्तव, सुरैया नाज, मीनाक्षी द्विवेदी, आस्था श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो प्रदान किया गया।

संगम तट पर श्रद्धालुओं पितरों को किया तर्पण, विधि विधान से किया श्राद्ध

प्रयागराज। सर्वपितृ अमावस्या (पितृ विसर्जन) पर संगम तट पर श्रद्धालुओं ने पितरों का तर्पण किया। विधि विधान से श्राद्ध कर पितरों को विदा कर उनका आशीष लिया। भोर से ही संगम तट समेत गंगा और यमुना के तमाम घाटों पर भारी भीड़ उमड़ी। इसके चलते जाम की स्थिति बन गई थी। सर्वाधिक भीड़ संगम तट पर रही। इसके अलावा दारागंज, बलुआ घाट, अरैल, रामघाट, काली घाट, सरस्वती घाट, श्रृंगवेरपुर, लालापुर, श्रृंगवेरपुर आदि घाटों पर भारी भीड़ रही। संततियों ने मोक्ष की कामना को लेकर विधि विधान से तर्पण और श्राद्ध किया। चावल, जौ का आटा, गाय का घी, तिल को लपेटकर पिंड बनाया गया। कुशा पर रखकर पितरों का आह्वान किया गया। गंगा जल में काला तिल मिलाकर जल अर्पित किया गया। इसके बाद यथाशक्ति ब्राह्मणों को भोजन और दान दिया गया। इसके पूर्व घाट पर ही क्षौर कर्म कराया। पितृ विसर्जन के चलते घाट पर मेले जैसा दृश्य रहा। शाम तक संगम समेत अन्य घाटों पर भीड़ रही।

पीडीए ने 2024 में नक्शा पास करके कमाए 42 करोड़500 से अधिक नक्शा इस बार प्राधिकरण ने सितंबर तक किया पास, पिछले वर्ष पूरे साल में कमाए थे 32 करोड़

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई का असर अब पीडीए की कमाई पर भी दिखने लगा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने इस बार सिर्फ नौ माह में ही 500 से अधिक नक्शा पास कर 42 करोड़ रुपये कमा लिए है। पिछले साल के मुकाबले यह दस करोड़ अधिक है। जबकि अभी साल खत्म होने में करीब तीन माह का समय बाकी है। शहर में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ पीडीए की तरफ से अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें सीलबंदी से लेकर अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई शामिल है। ऐसे में लोगों में भी अवैध रूप से बगैर नक्शा पास कराए निर्माण कराने से होने वाले नुकसान को लेकर जागरूकता आयी है। पीडीए के अधिकारियों के मुताबिक शहर में आवासीय और व्यवसायिक भवनों के निर्माण का नक्शा पास कराने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं. 74-डब्लू-सीएसपी-24-25-05 दिनांक : 28.09.2024
ई-निविदा सूचना
उप मुख्य इंजीनियर/कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ, निविदा खुलने की निर्धारित तिथि को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-
निविदा नं.- 74-डब्लू-सीएसपी-24-25-05 | अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 17.85 लाख
कार्यों का विवरणः कंक्रीट स्लीपर प्लांट, सूबेदारगंज, प्रयागराज को मोटी गिट्टी, 10 मिमी नाममात्र आकार के ग्रेनाइट पत्थर की आपूर्ति।
बयाने की रकम ₹ : ₹ 35700.00 | निविदा प्रपत्र का मूल्य ₹ : Nil
कार्य समापन की अवधिः 06 माह | निविदा खुलने की तिथिः 28.10.2024
नोटः 1.उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act 2000 के अन्तर्गत C. C. A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पे विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4.संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। निविदाकर्ता को एनेक्जर-'V' के रूप में प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। प्रारूप वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in.पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिय IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15.00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15.00 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और /या सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी. एस. टी. अधिनियम और नियमों के अधीन होगा।10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित / स्थगित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखेगा।
1730/24(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

गृहकर जमा करने पर 10 प्रतिशत छूट एवं स्वकर भरने की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर घोषित

प्रयागराज। कार्यकारिणी समिति की बैठक आहूत की गयी बैठक की अध्यक्षता करते हुए महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष सुनीता दरबारी तथा नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग द्वारा किया गया। नगर निगम कार्यकारिणी बैठक के दौरान गृहकर जमा करने में 10 प्रतिशत छूट व स्वकर प्रपत्र भरने की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए स्थानीय दैनिक समचारा पत्रों में प्रकाशित कराये जाने हेतु दिशा–निर्देश जन सम्पर्क अधिकारी को दिये गये है भवन स्वामियों के बिलों के समाधान के लिए नगर निगम कार्यकारिणी समिति द्वारा गृहकर जमा करने के लिए अन्तिम तिथि बढाते हुए 31 अक्टूबर 2024 साथ ही गृहकर 10 प्रतिशत छूट के साथ जमा करने की अन्तिम तिथि बढाते हुए 31 अक्टूबर 2024 धोषित कर दी गयी है, अतः ऐसे सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि वह 31 अक्टूबर 2024 तक स्वकर–प्रपत्र भर कर अपने बढ़े हुए गृहकर का निस्तारण करा लें तथा अपने भवन का गृहकर जमा करा दें, जिससे उन्हे अनावश्यक ब्याज आदि न भरना पडेद्य। इस वित्तीय वर्ष में 31 अक्टूबर 2024 के उपरान्त गृहकर पर 10 प्रतिशत का लाभ तथा स्वकर पपत्र भरकर अपने भवन पर लाभ नही पा सकते है बैठक के दौरान शिव सेवक सिंह, नीरज गुप्ता, ज्ञान्द्र मिश्र, अमित सिंह, गुलाब सिंह, के साथ अपर नगर दीपेन्द्र यादव, अमरीश कुमार बिन्द, अरविन्द राय, जोनल अधिकारी अनुपम शुक्ला, संजय ममगई, मुख्य कर निर्धारण अधिकारीध्जन सम्पर्क अधिकारी पी0के0द्विवेदी, पर्यावरण अभियन्ता उत्तम वर्मा, मुख्य अभियन्ता सतीश कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधन अधिकारी डा0 विजय अमृत राज, अधिषाशी अभियन्ता विद्युत राधे कृष्ण लाल, ए0के0 सिंह, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी आर0के0शर्मा तथा सहायक अभियन्ता विद्युत राधे कृष्ण लाल उपस्थित रहें।

डिप्टी सीएम केशव ने गांधी जयंती पर किया श्रमदान, संगम क्षेत्र और हनुमान मंदिर में की सफाई

प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती जनपद में धूमधाम से मनाई गई। विभिन्न राजनैतिक, व्यापारिक और गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से महात्मा गांधी को नमन किया गया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। इसके बाद सिविल लाइंस हनुमान मंदिर में साफ सफाई की। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र समेत पार्टी के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। केशव ने संगम तट पर सफाई करने वाले सफाईकर्मियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। साथ ही संगम में आने वाले तीर्थ यात्रियों से कूड़ा–करकट, पॉलिथीन इत्यादि का प्रयोग न करने का अनुरोध भी किया। साथ ही बालसन चौराहा पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज चौराहे पर लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। केशव ने सिविल लाइंस हनुमान मंदिर परिसर में महात्मा गांधी जी की जयंती पर आयोजित सेवा पखवाड़श के अंतर्गत श्स्वच्छता अभियानश में सम्मिलित होकर साफ–सफाई की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर अपने आस–पास स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा पखवाड़ा में भाग लेने की लोगों से अपील की। स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत के संकल्प को सफल बनाने का भी आह्वान किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने कल्याण देवी जाकर भाजपा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया को श्रद्धांजलि दी। उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पूर्व विधायक उदयभान करवरिया समेत परिवार के अन्य सदस्यों को ढांढस बंधाया।

राँची - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का सोनभद्र स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12453/12454 राँची - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का **सोनभद्र स्टेशन** पर प्रयोगात्मक ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी सं0	ठहराव का स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी	
				प्रारम्भिक स्टेशन से	सोनभद्र स्टेशन पर ठहराव
12453 राँची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	सोनभद्र (SBDR)	00:48	00:50	06.10.2024	07.10.2024
12454 नई दिल्ली-राँची राजधानी एक्सप्रेस		01:38	01:40	05.10.2024	06.10.2024

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1741/24 (C)

राहुल सचान का कार्यकाल पूरा, पारिजात को क्षेत्रीय निदेशक का प्रभार

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय राहुल सचान का कार्यकाल पूरा हो गया है। आठ वर्ष के कार्यकाल के बाद मंगलवार को उन्होंने पदभार छोड़ दिया है। अब वह अपने मूल विभाग दूरसंचार में उप महानिदेशक के पद पर नई दिल्ली में कार्यभार ग्रहण करेंगे। यहां का अतिरिक्त प्रभार मध्य प्रदेश (एमपीआर) के क्षेत्रीय निदेशक पारिजात दीवान को दिया गया है। आईटीएस अधिकारी राहुल सचान ने क्षेत्रीय निदेशक का कार्यभार 2016 में संभाला था। उस समय एमटीएस–2016 की परीक्षा हो रही थी। उसी समय से ओएमआर आधारित व्यवस्था में बदलाव करते हुए ऑनलाइन परीक्षा शुरू कराई गई थी। परीक्षा ऑनलाइन होने के बाद से पेपर लीक होने का विवाद खत्म हो गया था। यह महज संयोग ही है कि अब उन्होंने कार्यभार छोड़ा तो एमटीएस– 2024 की परीक्षा हो रही है। उन्होंने बताया कि अपने आठ वर्ष के कार्यकाल में 100 से अधिक परीक्षाएं कराई। उन परीक्षाओं में छह करोड़ से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए। इस अवधि के दौरान करीब एक लाख अभ्यर्थियों का चयन किया। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग किया। हाल ही में एआई की मदद से 400 साल्वर भी पकड़े हैं। शाम को कार्यालय में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

खेलते समय फूट गया गुब्बारा, तीन वर्ष के मासूम की गई जान

प्रयागराज। लालगोपालगंज में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन वर्ष के मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। विवाहिता अपने बच्चे को लेकर मायके आई थी। फटने के बाद गुब्बारे का कुछ अंश श्वांस नली में फंस गया। इससे वह तड़पने लगा। आनन फानन परिजन अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम सा मच गया है। जिस गुब्बारे से फूदक–फुदक कर मासूम खेल रही थी, वही उसकी मौत का कारण बनेगा, ऐसा किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। तीन वर्ष की सायरा की जान गुब्बारे के फटने और श्वास नली में जा चिपकने के कारण चली गई। घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज स्थित मोहल्ला इमामगंज की है। उतरांव थाना क्षेत्र के फतूहां गांव निवासी नाज बानो पत्नी इमरान अहमद कुछ दिन पूर्व अपनी एकलौती बेटी सायरा (3) को लेकर मायके आई थी। बुधवार को दिन में करीब ग्यारह बजे उसके नाना ने नतिनी को खेलने के लिए गुब्बारे लाकर दे दिया। मासूम गुब्बारा पाकर उससे खेल रही थी, तभी अचानक गुब्बारा फूट गया और मासूम जमीन पर गिर कर तड़पने लगी। उसके मुंह से झाग निकलता देख घर वाले बदहवास होकर पास स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने कहा गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से उसकी सांस थम गई।

इंटर के 11,460 मेधावियों को उच्च शिक्षा के लिए दी जाएगी छात्रवृत्ति, जारी की गई सूची

प्रयागराज। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट के 11,460 मेधावियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसकी सूची यूपी बोर्ड ने जारी कर दी है। उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने के बाद नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर आवेदन करेंगे तो उन्हें छात्रवृत्ति मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की योजना सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कालरशिप फॉर कालेज एंड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए मेधावियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। स्नातक तक उन्हें प्रति वर्ष 12 हजार और परास्नातक के लिए 24 हजार रुपये छात्रवृत्ति मिलेगी। इसमें इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही पात्र होंगे। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2024 में इंटरमीडिएट विज्ञान, कला और वाणिज्य वर्ग के टॉप–20 मेधावियों की सूची बनाई गई है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062